कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (42) खण्ड - {83}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- फीचर्स में किसकी झलक हो तो अनेक आत्माओं का प्यूचर श्रेष्ठ बना सकते हो ?

A- सुख

B- शान्ति

C- खुशी

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- तुम बच्चों के अन्दर कौन सा ज्ञान हर वक्त गूँजना चाहिए ?

A- ड्रामा का ज्ञान

B- सूष्टि चक्र का ज्ञान

C- आदि-मध्य- अन्त का ज्ञान

D- स्वदर्शन चक्र फिराने का ज्ञान

प्रश्न 3- बुद्धि को यहाँ -वहाँ भटकाने के बजाए घर में बाप को याद करो, दूर-दूर तक बुद्धि को ले जाओ इसे ही कहा जाता है ?

A- बुध्दि की यात्रा

B- परमधाम की यात्रा

C- घर जाने की यात्रा

D- याद की यात्रा

प्रश्न 4- अपने आप ..... हो तो किसी भी प्रकार का टेन्शन आ नहीं सकता ?

A- रूहानियत की झलक

B- नेचुरल अटेन्शन

C- बाप की दिव्य दृष्टि से स्वयं में शक्ति जमा हो

D- याद की अटेंशन

प्रश्न 5- तुमको कौन सी बड़ी दुआयें मिल रही हैं ?

A- धनवान भव

B- पुत्रवान भव

C- आयुष्वान भव

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- किस समय मन-बुद्धि से मुझ बाप को याद करों, तो साथ-साथ भारत को दैवी राजस्थान बनाने की सेवा करोगे ?

A- अमृतवेला

B- प्रभात

C- रात

D- नुमाशाम

प्रश्न 7- क्या बनकर साक्षी हो हर आत्मा का पार्ट देखो और सकाश दो ?

A- त्रिकालदर्शी

B- मास्टर गॉड

C- फरिश्ता

D- गॉड गाडेज

प्रश्न 8- निम्नलिखित में कौन सा वाक्य सही नहीं है-

A- योगबल से आत्मा को पावन बनाने का पुरुषार्थ करना है।

B- सूर्यवंशी-चन्द्रवंशी जो भी हैं, यह सारी माला विष्णु की है।

C- तुम सब सीतायें हो, आग से पार होती हो।

D- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न 9-ज्ञानी तू आत्मा का पहला लक्षण है-

A- वह सभी का भला चाहेंगे।

B- वह सभी के स्नेही और सहयोगी होंगे।

C- वह सभी के मददगार बन जाएंगे।

D- वह सभी के साथ अति मीठा व्यवहार करेंगे।

प्रश्न 10- बाप को अति प्रिय कौन है ?

A- ज्ञान की शंखध्वनि करने वाले

B- बाप का परिचय देने वाले

C- ज्ञान स्नान करने वाले

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- इस कलियुग में किस चीज़ का देवाला निकल चुका है ?

A- पवित्रता का

B- सुख का

C- शान्ति का

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 12- इनमे से कौनसा सही नही है?

A- अब जो करेगा सो पायेगा। बाप को याद नहीं करते तो वर्सा भी नहीं पायेंगे।

B- तुम जानते हो,सिर्फ पूरा पुरुषार्थ नहीं करते हो,वह भी ड्रामा अनुसार होना है,जितना जिसकी तकदीर मे है।

C- बाप भी समझ जाते हैं - यह बच्चा कुछ भी सर्विस नहीं करता तो वहाँ भी दास -दासी जाकर बनेंगे।

D- आत्मा अब ज्ञान धारण कर सद्गति से दुर्गति में जाती है।

प्रश्न 13- किसी भी हालत में मुरझाइस न आये इसकी सहज विधि क्या है ?

A- ब्रह्मा बाप का सैम्पुल सदा सामने रखो।

B- मम्मा का सैम्पुल सदा सामने रखो।

C- आदि रत्नों का सैम्पुल सदा सामने रखो।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- मीठे बच्चे - धीरज रखो अब तुम्हारे दुःख के दिन पूरे हुए, सुख के दिन आ रहे, कैसे बच्चों की अवस्था धैर्यवत रहती है ?

A- सपूत

B- निश्चय बुद्धि

C- तीव्र पुरुषार्थी

D- सहयोगी

प्रश्न 15- इनमे से कौन सा सही नही है ?

A- बाप के महावाक्य सिर्फ तुम्हारे लिए हैं, सारी दुनिया के लिए नहीं।

B- बाप बैठ पढ़ाते हैं, सहज स्वराज्य योग सिखलाते हैं।

C- तुम्हें गृहस्थ व्यवहार में रहते बाप से वर्सा पाना है। बहुत सहज है।

D- उपरोक्त सभी सही हैं।

प्रश्न 16- इनमे से कौनसा सही नही है ?

A- थोड़ा भी सुना तो स्वर्ग में आयेंगे, परन्तु पढ़ेंगे नहीं तो जैसे भील हैं।

B- प्रजा भी नम्बरवार होती है ना। परन्तु वहाँ गरीब, साहूकार सुख सबको रहता है।

C- वहाँ मर्तबे तो रहेंगे नही। वहाँ सिपाही लोग होते हैं लेकिन वहाँ डर होता नहीं।

D- सतयुग में पार्टीशन होता नहीं। लक्ष्मी-नारायण का एक ही राज्य चलता है।

भाग (42) खण्ड {83} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.उपरोक्त सभी*

फीचर्स में सुख-शान्ति और खुशी की झलक हो तो अनेक आत्माओं का फ्यूचर श्रेष्ठ बना सकते हो।

उत्तर 2- *B.सृष्टि चक्र का ज्ञान*

महाभारत में दिखाते हैं प्रलय हो गई। अब महाप्रलय तो होती नहीं। *तुम बच्चों के अन्दर सृष्टि चक्र का ज्ञान हर वक्त गूँजना चाहिए।*

उत्तर 3- *D.याद की यात्रा*

बुद्धि को यहाँ-वहाँ भटकाने के बजाए घर में बाप को याद करो, *दूर-दूर तक बुद्धि को ले जाओ - इसे ही याद की यात्रा कहा जाता है।*

उत्तर 4- B नेचुरल अटेंशन

अपने आप नेचुरल अटेन्शन हो तो किसी भी प्रकार का टेन्शन आ नहीं सकता।

उत्तर 5- D उपरोक्त सभी

बाप कहते हैं मुझे और अपने वर्से को याद करो तो तुम यहाँ स्वर्ग में आ जायेंगे। जो जितना याद करेंगे और पवित्र रहेंगे उतना ऊंचा पद मिलेगा। *तुमको कितनी बड़ी दुआयें मिल रही हैं - धनवान भव, पुत्रवान भव, आयुष्वान भव।*

उत्तर 6- B प्रभात

प्रभात के समय मन-बुद्धि से मुझ बाप को याद करो, साथ-साथ भारत को दैवी राजस्थान बनाने की सेवा करो''

उत्तर 7- C फरिश्ता

फरिश्ता बनना है तो साक्षी हो हर आत्मा का पार्ट देखो और सकाश दो।

उत्तर 8- B सूर्यवंशी -चन्द्रवंशी जो भी है, यह सारी माला विष्णु की है।

सूर्यवंशी-चन्द्रवंशी जो भी हैं, यह सारी माला है रुद्र शिवबाबा की। सब अपने रचता को जानते हैं परन्तु उनके आक्यूपेशन को नहीं जानते।

उत्तर 9- *D.वह सभी के साथ अति मीठा व्यवहार करेंगे*

ज्ञानी तू आत्मा का पहला लक्षण है- वह सभी के साथ अति मीठा व्यवहार करेंगे। किसी से दोस्ती, किसी से दुश्मनी रखना यह ज्ञानी तू आत्मा का लक्षण नहीं। बाप की श्रीमत है - बच्चे, अति मीठा बनो।

उत्तर 10- *A.ज्ञान की शंखध्वनि करने वाले*

हम शंखध्वनि कर सकते हैं। कोई कहते हैं - मैं शंखध्वनि नहीं कर सकती हूँ। *बाप कहते हैं ज्ञान की शंखध्वनि करने वाले मुझे अति प्रिय हैं।* मेरा परिचय भी

ज्ञान से देंगे ना। बेहद के बाप को याद करो, यह भी ज्ञान दिया ना।

उत्तर 11- *D.उपरोक्त सभी*

कलियुग में पवित्रता, सुख और शान्ति का देवाला निकल चुका है इसलिए भारत सुखधाम से दु:खधाम, हीरे से कौड़ी जैसा बन गया है। यह खेल सारा भारत पर है। खेल के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान अभी बाप तुम्हें सुना रहे हैं।

उत्तर 12- *D.आत्मा अब ज्ञान धारण कर सद्गति से दुर्गति में जाती है*

आत्मा अब ज्ञान धारण कर दुर्गति से सद्गति में जाती है। अब जो करेगा सो पायेगा। बाप को याद नहीं करते तो वर्सा भी नहीं पायेंगे। कोई को आप समान वर्सा पाने लायक नहीं बनाते हैं तो समझते हैं पाई-पैसे का पद पा लेंगे।

उत्तर 13- *A.ब्रह्मा बाप का सैम्पुल सदा सामने रखो*

किसी भी हालत में मुरझाइस न आये इसके लिए *ब्रह्मा बाप का सैम्पुल सदा सामने रखो।* इतने ढेर बच्चों का बाप, कोई सपूत बच्चे हैं तो कोई कपूत, कोई सर्विस करते, कोई डिससर्विस, फिर भी बाबा कभी मुरझाते नहीं, घबराते नहीं फिर तुम बच्चे क्यों मुरझा जाते हो? तुम्हें तो किसी भी हालत में मुरझाना नहीं है।

उत्तर 14- *B.निश्चय बुद्धि*

मीठे बच्चे - धीरज रखो अब तुम्हारे दु:ख के दिन पूरे हुए, सुख के दिन आ रहे हैं, *निश्चय बुद्धि बच्चों की अवस्था धैर्यवत रहती है*।

उत्तर 15- *A.बाप के महावाक्य सिर्फ तुम्हारे लिए हैं,सारी दुनिया के लिए नहीं*

मनुष्य इस समय सब अधीर्य हैं, दु:खी हैं इसलिए धैर्य देने के लिए, सुख देने के लिए बाप आये हैं। कहते हैं अब धैर्य

धरो। *बाप के महावाक्य सिर्फ तुम्हारे लिए नहीं हैं, वास्तव में सारी दुनिया के लिए हैं।* सारी दुनिया आहिस्ते-आहिस्ते सुनती रहेगी। जो सुनते हैं वह आते रहते हैं।

उत्तर 16- *C.वहां मर्तबे तो रहेंगे नही। वहां सिपाही लोग होते हैं लेकिन वहां डर नहीं होता*

सब तो एक जैसे नहीं होते हैं। *मर्तबे तो वहाँ भी रहेंगे। वहाँ सिपाही लोग होते नहीं क्योंकि वहाँ डर होता नहीं। * यहाँ तो डर है इसलिए सिपाही आदि रखते हैं। भारत में टुकड़े-टुकड़े कर दिये हैं। सतयुग में पार्टीशन होता नहीं। लक्ष्मी-नारायण का एक ही राज्य चलता है। पाप कोई होता नहीं।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (42) खण्ड - {84}

प्रश्न 1- कब माया आपके आगे सरेन्डर हो जायेगी ?

A- अशरीरी स्थिति के आसन पर स्थित रहो।

B- निश्चय बुद्धि बन पढ़ाई करते रहो।

C- अपने स्वमान की सीट पर सेट रहो।

D- नष्टोमोहा स्मृति लब्धा रहो।

प्रश्न 2- क्या याद रहे तो सतयुग भी याद रहे और सतयुग स्थापन करने वाला भी याद रहे ?

A- बाप

B- बाप-दादा

C- संगमयुग

D- पढ़ाई

प्रश्न 3-इनमे से कौन सा सही नही है ?

A- प्रजा में भी जो अच्छी प्रजा होंगे उनके आगे कम दर्जे वाली प्रजा भरी ढोयेगी।

B- गीता से तैलुक रखने वाले भागवत, महाभारत हैं।

C- तुम बच्चों के लिए यह संगमयुग है, बाकी और सबके लिए कलियुग है।

D- उपरोक्त सभी सही हैं।

प्रश्न 4- देह सहित सब कुछ भूल एक बाप को याद करो तब कैसा बच्चा कहेंगे ?

A- सच्चे बच्चे

B- मातेले बच्चे

C- मीठे बच्चे

D- सिकीलधे बच्चे

प्रश्न 5- पारलौकिक साजन को याद नहीं करते, लौकिक साजन को लौकिक सम्बन्धियों आदि को याद करते रहते तो

गोया यह क्या है ?

A- पूरा निश्चय नही है

B- कच्ची सगाई है।

C- देह अभिमान है।

D- माया का वार है।

प्रश्न 6- बाप ही संसार है' सदा इस स्मृति में

रहना - यही है-

A- सहजयोग

B- प्रीत बुध्दि

C- निश्चय बुथ्दि

D- एकव्रता

प्रश्न 7- सच्चे-सच्चे रूहानी सैलवेशन आर्मी बन भारत को क्या करना है ?

A- कौड़ी से हीरा बनाना

B- विकारों से सैलवेज करना

C- पतित से पावन बनाना

D- रूहानी सेवा करनी है

प्रश्न 8- अजपाजाप अर्थात्?

A- निरंतर योग अटूट योग

B- कमातीत स्थिति

C- एक बाप दूसरा न कोई

D- माला का जाप निरंतर चलता रहे

प्रश्न 9- भक्ति की कौन-सी बात ज्ञान मार्ग में नहीं चल सकती है?

A- आशीर्वाद की

B- कृपा की

C- योग की

D- A और B

प्रश्न 10- अपना पुराना बैग-बैगेज कितने जन्मों के लिए ट्रान्सफर करना है ?

A- 8 जन्म

B- 84 जन्म

C- 21 जन्म

D- 1 जन्म

प्रश्न 11- तकदीर का आधार किस पर है ?

A- ज्ञान

B- योग

C- पढ़ाई

D- पवित्रता

प्रश्न 12-अगर बाप कृपा करे तो क्या हो जाए ?

A- सभी राजधानी में आ जाए।

B- सारी क्लास ही पास हो जाए।

C- सभी वर्से के अधिकारी बन जाए।

D- सभी खुदाई खिदमतगार हो जाए।

प्रश्न 13- सबसे जास्ती निंदा किसकी हुई है ?

A- श्रीकृष्ण की

B- ब्रह्मा की

C- शिव की

D- बाप-दादा की

प्रश्न 14-दशहरे के बाद फिर दीपमाला मनाते हैं, खुशियाँ मनाते हैं क्योंकि-

A- रावण राज्य विनाश हो रामराज्य स्थापन होगा तो खुशियाँ होंगी।

B- घर-घर में रोशनी हो जाती है।

C- तुम्हारी आत्मा में रोशनी आ जाती है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- सतयुगी देवी-देवतायें डबल सिरताज थे। पवित्रता का ताज भी था और रत्नजड़ित ताज भी था। विकारी राजाओं को सिर्फ कौन सा ताज होता है ?

A- डबल ताज

B- रत्नजड़ित ताज

C- अपवित्रता का ताज

D- सिंगल ताज

प्रश्न 16- तुम बेहद के बाप को याद करो, यह है नई पढ़ाई। इसमें क्या समाया हुआ है ?

A- ज्ञान

B- भक्ति

C- वैराग्य

D- उपरोक्त सभी

भाग (42) खण्ड {84} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.अपने स्वमान की सीट पर सेट रहो*

तुम जानते हो माया हमारी दुश्मन है, घड़ी-घड़ी धोखा देती है, पढ़ाई में संशय डाल देती है। संशय में आकर बहुत बच्चे पढ़ाई को छोड़ देते हैं। पढ़ाई को छोड़ा गोया बाप, टीचर, सतगुरू को भी छोड़ दिया,इसलिए *अपने स्वमान की सीट पर सेट रहो तो माया आपके आगे सरेन्डर हो जायेगी।*

उत्तर 2- *C.संगमयुग*

तुम बच्चों के लिए यह संगमयुग है, बाकी और सबके लिए कलियुग है। तुम ही संगम से फिर सतयुग में जाने वाले हो, यह निश्चय चाहिए। अभी हम संगम पर हैं। *संगमयुग याद रहे तो सतयुग भी याद रहे और सतयुग स्थापन करने वाला भी याद रहे।* परन्तु घड़ी-घड़ी भूल जाते हैं।

उत्तर 3- *D.उपरोक्त सभी सही हैं*

जो नहीं पढ़ते हैं तो पढ़े हुए के आगे भरी ढोयेंगे। *प्रजा में भी जो अच्छी प्रजा होंगे उनके आगे कम दर्जे वाली प्रजा भरी ढोयेगी।*

बेहद का बाप आते ही हैं कल्प के संगमयुगे। गीता में भूल कर दी है। *गीता से तैलुक रखने वाले सिर्फ भागवत, महाभारत आदि हैं।*

तुम बच्चों के लिए यह संगमयुग है, बाकी और सबके लिए कलियुग है। तुम ही संगम से फिर सतयुग में जाने वाले हो, यह निश्चय चाहिए।

उत्तर 4- *B.मातेले बच्चे*

मीठे बच्चे - *देह सहित सब कुछ भूल एक बाप को याद करो तब कहेंगे मातेले बच्चे* , इस पुरानी दुनिया से अब तुम्हारी बुद्धि हट जानी चाहिए। लौकिक साजन को लौकिक सम्बन्धियों आदि को याद करते रहते तो गोया कच्ची सगाई है। उनको सौतेले बच्चे कहा जाता है।

उत्तर 5- कच्ची सगाई है

पारलौकिक साजन को याद नहीं करते, लौकिक साजन को लौकिक सम्बन्धियों आदि को याद करते रहते तो गोया कच्ची सगाई है। उनको सौतेले बच्चे कहा जाता है।

उत्तर 6 - A सहजयोग

“बाप ही संसार है" सदा इस स्मृति में रहना - यही सहजयोग है।

उत्तर 7 - B विकारों से सैलवेज करना

सच्चे-सच्चे रूहानी सैलवेशन आर्मी बन भारत को विकारों से सैलवेज करना है। बाप का मददगार बन रूहानी सोशल सेवा करनी है।

उत्तर 8- A निरन्तर योग अटूट योग

मातेश्वरी जी के मधुर महावाक्य *“अजपाजाप अर्थात् निरंतर योग अटूट योग"*

उत्तर 9- D A और B

भक्ति में भगवान् से कृपा अथवा आशीर्वाद मांगते हैं, ज्ञान मार्ग में आशीर्वाद वा कृपा की बात नहीं। यह पढ़ाई है ।

उत्तर 10 - C 21 जन्म

अपना पुराना बैग-बैगेज 21 जन्मों के लिए ट्रान्सफर करना है, इनश्योर कर ट्रस्टी हो सम्भालना है।

उत्तर 11 - C पढ़ाई

बाप टीचर बनकर तुमको पढ़ा रहे हैं। *तकदीर का आधार पढ़ाई पर है।*

उत्तर 12 - B सारी क्लास ही पास हो जाए

अगर बाप कृपा करे तो सारा क्लास ही पास हो जाए इसलिए ज्ञान मार्ग में कृपा वा आशीर्वाद की बात नहीं। हरेक को अपना-अपना पुरुषार्थ जरूर करना है।

उत्तर 13- A श्रीकृष्ण की

सबसे जास्ती निंदा तो श्रीकृष्ण की हुई है, कितने कलंक लगाये हैं, फिर ऐसे श्रीकृष्ण को पूजते भी हैं। तो यह गाली मिलना कोई नई बात नहीं है

उत्तर 14 - D उपरोक्त सभी

सतयुग में रावण होता नहीं। यहाँ रावण को जलाते हैं। *दशहरे के बाद फिर दीपमाला मनाते हैं, खुशियाँ मनाते हैं

क्योंकि रावण राज्य विनाश हो रामराज्य स्थापन होगा तो खुशियाँ होंगी। घर-घर में रोशनी हो जाती है। तुम्हारी आत्मा में रोशनी आ जाती है।*

उत्तर 15 - B रत्नजड़ीत ताज

सतयुगी देवी-देवतायें डबल सिरताज थे। पवित्रता का ताज भी था और रत्नजड़ित ताज भी था। विकारी राजाओं को सिर्फ रत्नजड़ित ताज होता है।

उत्तर 16 - D उपरोक्त सभी

मीठे बच्चे - *तुम बेहद के बाप को याद करो, इसमें ही ज्ञान, भक्ति और वैराग्य तीनों समाया हुआ है, यह है नई पढ़ाई''*